+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

YOJANA MAGAZINE ANALYSIS

(योजना पत्रिका विश्लेषण)

(वर्ष का लेखा-जोखा)

(December 2023)

(Part I)

TOPICS TO BE COVERED

- संपादकीय: 2023 एक नज़र में
- भारत का बढ़ता रुतबा: एक उभरती हुई शक्ति

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

संपादकीय: 2023 एक नज़र में

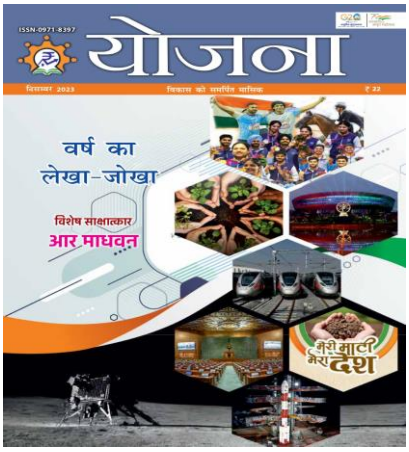

- 2023 दुनिया के लिए एक उथल-पुथल भरा और असीम चुनौतियों वाला वर्ष रहा है। इस अशांत वैश्विक परिदृश्य के बीच **भारत सही समय पर उठाई नीतिगत पहलों के जरिये वैश्विक आर्थिक बवंडर का सफलतापूर्वक सामना करते हुए सुदृढ़ता और परिवर्तन की शक्ति के रूप में उभरा है।**
- जी20 शिखर सम्मेलन के लिए विश्व नेताओं की मेजबानी करना और नई दिल्ली में जी20 नेताओं की उत्प्रेरक एवं व्यापक घोषणा को अपनाना भारत के कूटनीतिक कौशल को रेखांकित करता है। इस भूमिका ने भारत को शांति और सुरक्षा से लेकर आर्थिक सहयोग और जलवायु संबंधी कार्रवाई तक की दिशा तय करने के अवसर प्रदान किए हैं और यह कई आवश्यक वैश्विक मुद्दों के समाधान की आशा प्रदान करता है।
- वर्ष 2023 विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय परिवर्तनों का साक्षी रहा। **चंद्रयान-3 और आदित्य-एल1 का सफल प्रक्षेपण भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।**
- औद्योगिक क्षेत्र में व्यापार करने में आसानी (ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस) और वैश्विक स्थिरता लक्ष्यों के अनुरूप अपनाए जा रहे उपायों में तेजी देखी गयी।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- एक ओर जहां **राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति प्रक्रिया के सरलीकरण, नियामक ढांचे को अपनाने, कौशल विकास, उच्च शिक्षा में लॉजिस्टिक्स को मुख्यधारा में लाने** और उचित प्रौद्योगिकियों को अपनाने के माध्यम से मानव संसाधनों और लॉजिस्टिक्स सेवाओं में दक्षता में सुधार की दिशा में उन्मुख है **वहीं पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान एकीकृत अवसंरचना विकास पर केंद्रित है।**
- **परिवहन क्षेत्र में नेटवर्क के दायरे और सिस्टम आउटपुट में महत्वपूर्ण विस्तार देखा गया।** गुणवत्ता पर अधिक जोर दिया गया जिससे निर्माण में तेजी और हर मौसम में कनेक्टिविटी संभव हुई है। **पीएम गतिशक्ति पहल के तहत भारतमाला, सागरमाला, पर्वतमाला, उड़ान आदि जैसी योजनाओं का उद्देश्य कनेक्टिविटी को बढ़ाना और आर्थिक विकास में तेजी लाना** है।
- सरकार ने ग्रामवासियों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने को प्राथमिकता देना जारी रखा जिससे अधिक समावेशी और न्यायसंगत विकास को बढ़ावा संभव हो सके। **पीएम विश्वकर्मा योजना और प्रधानमंत्री पीवीटीजी विकास मिशन** का शुभारंभ इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जाता है।
- **भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष के उपलक्ष्य में** मनाये जाने वाले ***आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान हर घर तिरंगा, एक भारत श्रेष्ठ भारत और कलांजलि जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से देश की विविध और जीवंत संस्कृति को उजागर किया*** गया जिसका **समापन मेरी माटी मेरा देश के भव्य समारोह के साथ हुआ।**
- इस **वर्ष नए संसद भवन का उद्घाटन भी देश के इतिहास का एक महत्वपूर्ण पल** है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

भारत का बढ़ता रुतबा: एक उभरती हुई शक्ति

परिचय:

- ऐसे समय में **जब भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता और संघर्ष ने दुनिया को राजनीतिक वैचारिक और क्षेत्रीय मतभेदों से भर दिया है,** अंतरराष्ट्रीय समुदाय, प्रतिस्पर्धी शक्तियों द्वारा प्रस्तुत दोहरे विकल्पों से परे एक नई दिशा के लिए लालायित है। **कोविड-19 महामारी ने दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं पर घातक प्रहार किया। कोविड के बाद के पुनर्प्राप्ति चरण में जिसमें वैश्विक समुदाय को एक साथ आना चाहिए था, इसके बजाय गहरे विभाजन देखे जा रहे हैं।**

- **ब्रेटन वुड्स संरचनाओं सहित बहुपक्षीय प्रणाली, परिणाम देने में विफल रही हैं। संकटग्रस्त अर्थव्यवस्थाओं के लिए मदद और आशा दुर्लभ है, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण में** जो ***भोजन ईंधन, उर्वरक और विकासात्मक वित्त की उपलब्धता में व्यवधान की बहुआयामी चुनौती का सामना कर रही*** है।

- यह भू-राजनीतिक उथल-पुथल के महत्वपूर्ण मोड़ पर है कि भारत ने जी20 के अपने नेतृत्व, अपने मूल्य-आधारित दृष्टिकोण, वैश्विक सहयोग पर बल देने और सभी के लिए शांति और प्रगति के मानव-केंद्रित दृष्टिकोण के माध्यम से शेष दुनिया के लिए एक उदाहरण स्थापित किया है।
- इस वर्ष जी20 की भारत की अध्यक्षता, भारत और दुनिया भर में कई विरोधियों द्वारा लगातार व्यक्त किए गए संदेह के बावजूद, **संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों, व्यापक-आर्थिक स्थिरता, डिजिटल पब्लिक बुनियादी ढाँचा, जलवायु चुनौती, एक निष्पक्ष और न्यायसंगत हरित परिवर्तन, और बहुपक्षीय संरचनाओं** में सुधार जैसे प्रमुख मुद्दो पर आम सहमति बनाने में एक बड़ी सफलता थी।

भारतीय नेतृत्व:

- प्रधानमंत्री के नेतृत्व में **भारत को अब वैश्विक मंच पर पर्यवेक्षक के रूप में नहीं** देखा जाता है। यह अब **परिणामों को आकार देने में प्रमुख भूमिका निभा रहा है।**
- 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के जी20 आदर्श वाक्य और वसुधैव कुटुंबकम के दर्शन पर आधारित एक उदाहरण, **नई दिल्ली शिखर सम्मेलन में अफ्रीकी संघ (एयू) को जी20 में शामिल करना है,** जो **भारत की "किसी को भी पीछे नहीं छोड़ना" संबधी वकालत को दर्शाता** है। यह महत्वपूर्ण विकास, जो जी20 संरचना को अधिक प्रतिनिधिक

बनाता है, वैश्विक दक्षिण के एक सच्चे मित्र के रूप में भारत की भूमिका पर प्रकाश डालता है।

मिशन लाइफ और जलवायु संकट:

- जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय अवक्रमण दुनिया को दो सबसे बड़ी चुनौतियों के रूप में उभरी हैं जिनमें भावी पीढ़ियों के लिए अकल्पनीय प्रतिकूल परिणाम पैदा करने को क्षमता है।
- यहीं पर भारत ने स्थिति को सुधारने के लिए एक अलग रास्ते की ओर संकेत किया है। भारत ने एक नई नैतिक दिशा-निर्देश की पेशकश की है जिसे पहली बार ग्लासगो में पीएम मोदी ने मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) के माध्यम से समझाया था जो व्यक्तिगत व्यवहार को वैश्विक जलवायु कार्रवाई विमर्श को केंद्र में रखता है।
- अब इस मिशन का उद्देश्य स्थायी उपभोग पैटर्न के आधार पर पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली के लिए प्रतिबद्ध व्यक्तियों के एक वैश्विक नेटवर्क का प्रचार करना है।
- भारत एकमात्र जी20 देश है जिसने अपने पेरिस समझौते के लक्ष्यों को 2030 के निर्धारित लक्ष्य से काफी पहले हासिल कर लिया है।
- पीएम मोदी ने 2030 के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्यों की घोषणा की है, जिसमें 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित करना और अपनी अर्थव्यवस्था की उत्सर्जन तीव्रता को 45 प्रतिशत तक कम करना शामिल है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

स्वच्छ ऊर्जा:

- इसी तरह, **जून 2022 में जी-7 शिखर सम्मेलन में, पीएम मोदी ने स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में भारत के प्रयासों पर प्रकाश डाला**। उन्होंने कहा, "*भारत में दुनिया का पहला पूरी तरह से सौर ऊर्जा से संचालित हवाई अड्डा है। भारत की विशाल रेलवे प्रणाली इस दशक में नेट शून्य हो जाएगी। हमने समय से नौ साल पहले गैर-जीवाश्म स्रोतों से 40 प्रतिशत ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य हासिल कर लिया है*"।
- **भारत और अमेरिका ने मिलकर यूएस इंडिया स्ट्रेटेजिक क्लीन एनर्जी पार्टनरशिप (USISCEP) को नया रूप दिया है।** इस साझेदारी का **उद्देश्य ऊर्जा सुरक्षा और नवाचार को आगे बढ़ाना, उभरती स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को बढ़ाना और पांच प्रमुख स्तंभों के माध्यम से तकनीकी समाधानों को अपनाना है**:

(i) विश्वस्त तेल और गैस स्तंभ

(ii) शक्ति और ऊर्जा दक्षता स्तंभ

(iii) नवीकरणीय ऊर्जा स्तंभ

(iv) सतत विकास स्तंभ, और

(v) उभरते ईंधन और प्रौद्योगिकियाँ।

- **ऊर्जा पर ध्यान न केवल सामान्य प्रकृति का है बल्कि विशिष्ट भी है। भारत हाइड्रोजन में उभरते वैश्विक ऊर्जा व्यापार का एक महत्वपूर्ण लाभार्थी होगा और देश अंततः शुद्ध ऊर्जा निर्यातक बन सकता** है।
- पीएम मोदी ने कहा है कि "*जल्द ही भारत न केवल हरित हाइड्रोजन बल्कि अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों की आपूर्ति श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण घटक बन जाएगा, ताकि चल रहे व्यवधानों के लिए सुरक्षित विकल्प सुनिश्चित किया जा सके*"। इससे **भारत को जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों में एक बड़ी छलांग मिलेगी।**

लचीली आपूर्ति श्रृंखलाएं:

- **दिसंबर 2021 में**, सरकार ने **भारत में चिप विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए लगभग 10 बिलियन डॉलर की उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन (PLI) योजना की घोषणा की। मार्च 2022 में** केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए **सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम को मंजूरी दी।** *अप्रैल 2022 में सेमीकॉन इंडिया कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री ने कहा कि **सरकार का लक्ष्य भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में प्रमुख भागीदारों में से एक भागीदार के रूप में स्थापित करना*** है।
- उन्होंने कहा कि "भारत में एक **असाधारण सेमीकंडक्टर डिजाइन प्रतिभा पूल है जो दुनिया के 20 प्रतिशत सेमीकंडक्टर डिजाइन इंजीनियरों को बनाता** है। इसके अलावा

शीर्ष 25 सेमीकंडक्टर डिजाइन कंपनियों में से अधिकांश के डिजाइन या अनुसंधान एवं विकास केंद्र हमारे देश में हैं"।

- **ऑस्ट्रेलिया और जापान के सहयोग से शुरू की गई त्रिपक्षीय आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन पहल,** एक और **आपूर्ति श्रृंखला संकट का समाधान करने की** दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस **पहल का उद्देश्य चीन से दूर तीन देशों और समान विचारधारा वाले भागीदारों के लिए आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण का समन्वय और प्रोत्साहन करना** है। नई पहल विकसित करने के साथ-साथ, ***अंतरराष्ट्रीय कार्यकर्ताओं को लिथियम कोबाल्ट, तांबा निकल और दुर्लभ पृथ्वी के संबंध में संभावित एकाधिकार और आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों के व्यापक निहितार्थों की भी जांच जरूर करनी चाहिए,*** जिनमें से कई हरित प्रौद्योगिकियों और डिजिटल बुनियादी ढांचे के लिए महत्वपूर्ण हैं।

डिज़िटल इंफ्रास्ट्रक्चर:

- **भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं** में से एक के रूप में उभरा है। **1 जुलाई 2015 को प्रधानमंत्री ने भारत को एक सशक्त डिजिटल अर्थव्यवस्था में बदलने के लिए 'डिजिटल इंडिया' की शुरुआत** की।
- डिजिटल इंडिया का **उद्देश्य भारतीय नागरिकों के लिए इंटरनेट की वहनीयता और पहुंच बढ़ाना तथा देश भर में डिजिटल बुनियादी ढांचे में सुधार करना** है।

- **सरकार द्वारा प्रौद्योगिकी अपनाने से शासन में पारदर्शिता में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित हुई है।**
- **वर्ष 2021 में, भारत ने 48 अरब वास्तविक समय डिजिटल लेनदेन, या वैश्विक कुल का 40 प्रतिशत दर्ज किया।** दिलचस्प बात यह है कि **यह चीन से लगभग तीन गुना अधिक** है और दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं: **अमेरिका, कनाडा, यूके, फ्रांस और जर्मनी की संयुक्त रीयल टाइम भुगतान मात्रा से सात गुना अधिक** है।
- आज **दुनिया भर के देशों ने यूआईडीएआई, आधार और एकीकृत भुगतान पोर्टलों के भारतीय मॉडल में रुचि दिखाई** है जो भारत को विशाल आबादी को एक निर्बाध समग्रता से जोड़ते हैं।

योग और आयुर्वेद:

- **भारत पारंपरिक रूप से वैश्विक कल्याण में योगदान देने में उत्कृष्ट रहा है, जैसा कि कोविड-19 महामारी के दौरान देखा गया**, जब इसने **लगभग 100 देशों को मुफ्त टीके प्रदान किए** और अफगानिस्तान, यूक्रेन और कई अफ्रीकी देशों को खाद्य सहायता और मानवीय सहायता भेजी।
- भारत **चिकित्सा के हिस्से के रूप में भोजन और योग जैसी पारंपरिक प्रथाओं में विश्वास करता है जो किसी व्यक्ति के समग्र विकास को प्रोत्साहित करता** है।

- 2014 में अपने यूएनजीए भाषण में पीएम मोदी ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का प्रस्ताव रखते हुए इसे बढ़ावा देने की मांग की थी। आज दुनिया भर के देश वैचारिक और धार्मिक बाधाओं से परे, भारत की प्राचीन सभ्यता द्वारा दी गई समग्र स्वास्थ्य प्रथाओं में योग्यता देखते हैं। इस पहल ने *योग के सच्चे अभ्यास को उसके शुद्धतम रूप में पुनर्जीवित किया, जिससे यह दुनिया भर के लोगों के लिए उपलब्ध हुआ।*
- कोविड के दौरान, सरकार ने प्राकृतिक प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने के लिए आयुर्वेदिक दवाइयों या सरल घरेलू उपचार को बढ़ावा दिया। यह एलोपैथिक चिकित्सा का विकल्प नहीं, बल्कि पूरक है।
- इसके अलावा, भारत ने अन्य विकासशील देशों को कोविन और आरोग्य सेतु जैसे ओपन-सोर्स ऐप प्रदान किए हैं। सरकार ने इन्हें डिजिटल पब्लिक गुड के रूप में घोषित किया, जिसका उपयोग 50 देशों ने अपने टीकाकरण अभियान के लिए किया है।

अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष:

- खाद्य सुरक्षा के मोर्चे पर, घरेलू और वैश्विक पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए मिलेट्स की क्षमता को पहचानते हुए, भारत सरकार ने संयुक्त राष्ट्र को प्रस्ताव दिया कि 2023 को अंतरराष्ट्रीय पिलेट्स वर्ष (2023) घोषित किया आए। इस प्रस्ताव को 72 देशों का समर्थन मिला और 5 मार्च 2001 को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने आधिकारिक और पर 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया।

- **मिलेट्स अर्धशुष्क उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में एक प्राथमिक खाद्य फसल है।** मिलेट्स **प्रमुख अनाज फसलों की तुलना में बेहतर पोषण तत्वों का दावा करता है, जो खाद्य सुरक्षा और आहार स्वास्थ्य में योगदान देता** है। वे विशेष रूप से सूखे और चरम मौसम की स्थिति के प्रति लचीले होते हैं।
- **मधुमेह जैसी जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों** और **परिष्कृत आहार के प्रचलन** के बारे में बढ़ती चिंताओं को देखते हुए, आधुनिक उपभोक्ता धीरे-धीरे गेहूं और चावल जैसे मुख्य खाद्य पदार्थों के व्यवहार्य विकल्प के रूप में ग्लूटेन-मुक्त मिलेट्स की ओर रुख कर रहे हैं।

निष्कर्ष:

- उल्लेखनीय है कि **भारत अब अमृत काल में प्रवेश कर चुका है, जो भारत को वैज्ञानिक, तकनीकी, आर्थिक और सामाजिक प्रगति के अभूतपूर्व स्तरों को हासिल करने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगा।**
- **जब भारत 2047 में अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा, तो वह एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति होगा। यह सभी भारतीय लोगों, विशेषकर युवाओं की ओर से इस सपने को हासिल करेगा।**
- **भारत गौरव के शिखर पर पहुंचेगा क्योंकि वह आज व्यापार, सैन्य या वैचारिक टकराव में उलझे** कई अन्य लोगों के विपरीत **भारत एक विश्व मित्र** (वैश्विक मित्र)। **एक विश्व गुरु** (वैश्विक शिक्षक) और **एक विश्व वैद्य** (वैश्विक चिकित्सक) के रूप में उभरा है।